ब्रज गोपिन तोरी लेऊँ बलैया

ब्रज गोपिन तोरी लेऊँ बलैया,
बड़भागी सब रास सुख पावत,
क्रीड़त संग जाके कृष्ण कन्हैया,
ब्रज गोपिन तोरी----------

जाय कोऊ घर थाट बजावत,
कोऊ घर जाय चरावत गईया,
ब्रज गोपिन तोरी----------

करत कोऊ घर माखन चोरी,
पकड़त जाय छुड़ावत मईया,
ब्रज गोपिन तोरी----------

बलिहारी हरि पुनि पुनि जाऊँ,
मोरे मुरलीधर जग सृष्टि रचैया,
ब्रज गोपिन तोरी----------

रचना आभार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17448/title/braj-gopin-tori-leun-balaiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |